(c) if so, what steps Government propose to take to make Wastelands development, programme successful in the country, indicating budgetory allocations/ provisions, State-wise, as against the last year and reasons for the slow progress made during 1995-96 in this regard; and

(d) the funds/assistance received from other internal/external agencies for development of Wasteland in the country during the last two years?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Impact of Chlor Alkaline Plant

4524. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a hazardous Chlor Alkaline plant, which was shut down due to opposition from the environmentalists in Norway, has been shifted to India and is being set up in Vapi, Gujarat;

(b) whether it is also a fact that the plant will be using that most hazardous chemicals and will be manufacturing toxic pesticides; and

(c) if so, the reasons for permitting import of such plant?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) The Environmental Impact Assessment Notifications, 1994 requires 29 categories of developmental projects, including chloralkali plants, to obtain an environmental clearance from the Central Government. So far no proposal for such a project has been received.

(b) and (c) Do not arise.

Centrally aided Environment Projects in Maharashtra and Gujarat

4525. SHRI CHIMANBHAI HARIBHAI SHUKLA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state :

(a) the Centrally aided projects launched to save environment and forests in Maharashtra and Gujarat during the last three years, year-wise;

(b) the achievement made in this regard;

(c) the financial assistance provided in each scheme in each district of Gujarat and Maharashtra; and

(d) the details of the scheme proposed to be launched in the near future in Gujarat and Maharashtra?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH : (a) to (c) The details of Centrally aided Projects launched, to save environment and forests alongwith achievements both financial and physical during the last three years in the States of Maharashtra and Gujarat are given in the Annexure. (*See* Appendix 173. Annexure No. 92) etc.

(d) The projects are continuing in nature.

टैक्साल वृक्षों की सुरक्षा

4526. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 13 सितम्बर 1994 के दैनिक "हिन्दुस्तान" में उद्योग वनस्पति" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है जिसमें यह कहा गया है कि टैक्साल नामक वृक्ष की छाल और पत्तियों

को रक्त कैंसर के इलाज में उपयोगी पाया गया है और उक्त वृक्ष की अंधाधुन्ध कटाई की जा रही है तथा उनका निर्यात किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस प्रजाति के वृक्षों की रक्षा एवं विकास के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है;

(ग) क्या सरकार ने इन वृक्षों के विकास एवं रक्षा के लिए कोई योजना तैयार की है जो "टैक्साल" नामक रसायन का स्रोत है और क्या इसके निर्यात को प्रतिबंधित करने हेतु कोई कार्यवाही की जा रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) जी, हां।

(ख) से (घ) टैक्सस बाल्लिचियना जिससे "टैक्साल" नामक रसायन निकाला जाता है, को उन पादपों पादप-भागों और उनसे उत्पन्न वस्तुओं की सूची में शामिल किया गया है वर्तमान निर्यात नीति के तहत जिनके निर्यात की मनाही है। यह प्रजाति अंतर्राष्ट्रीय वन्य प्राणिजात और वनस्पतिजात की संकटापन्न प्रजाति व्यापार कंवेशन (साइटस) के परिशिष्ट-2 में भी शामिल है और इस प्रजाति के किसी भी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को इस कंवेशन के प्रावधानों के तहत विनियमित किया जाता है। भारत सरकार ने देश के सभी टैक्सस उत्पादक राज्यों को अनुदेश दिए हैं कि वे इस प्रजाति के प्रभावी संरक्षण के लिए उपाय करें और इसके संग्रहण और निर्यात पर रोक लगाएं। अरुणाचल जैसे कतिपय राज्यों ने पहले ही सतत उपयोग हेतु पादप उगाने के परीक्षण संचालित किए है। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद् देहरादून तथा केन्द्रीय औषधि तथा सुगंधित पादप संस्थान लखनऊ से भी इस प्रजाति की नर्सरी स्थापित करने और पैदावार तकनीकों का अध्ययन शुरू करने के लिए अनुरोध किया गया है।

ताजमहल पर जम रही फफूंदी और धूल

4527. श्री सत्य प्रकाश मालवीय :
श्री अनन्तराम जायसवाल :

क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विश्वप्रसिद्ध ताजमहल पर जम रही फफूंद और प्रदूषित धूल की मोटी तह के कारण धीरे-धीरे उसका ह्रास होता जा रहा है; यदि हां, तो ताजमहल की यह स्थिति कब से है;

(ख) क्या सरकार ने ताज के ह्रास के बारे में कभी पता लगाया है; यदि हां, तो कब और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, नागपुर ने ताज पर पड़ने वाले प्रदूषण के संभावित प्रभावों के बारे मे कोई रिपोर्ट तैयार की है; यदि हां, तो उसमें दिए गए निष्कर्ष और सिफारिशें क्या-क्या हैं;

(घ) क्या उच्चतम न्यायालय ने ताजमहल की सुरक्षा के लिए उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को कोई आदेश जारी किए थे; यदि हां, तो कब और उन आदेशों का ब्यौरा क्या है तथा उन आदेशों का किस हद तक पालन किया गया है; और

(ङ) क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ताजमहल के सुरक्षार्थ 10 सूत्रीय कार्यक्रम की घोषणा की है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इससे ताजमहल की किस हद तक रक्षा होगी?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) और (ख) भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण ने रिपोर्ट दी है कि फफूंद और धूल जमाव के कारण ताजमहल का ह्रास नहीं हो रहा है। भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण ताजमहल के पास धूल जमाव की दर और निलंबित धूलकणों की निगरानी कर रहा है।